300 cases it has resulted in paralysis. May I ask whether this vaccine was properly tested or not?

DR. P. S. DESHMUKH: Yes, Sir. I said that it is apparent from the fact that in millions of cases no bad results have occurred. Even where this trouble has arisen, it was not due to the vaccine. The expert who has gone into this has stated that no adverse effect was traceable.

DR. R. B. GOUR: May I know whether in these particular cases Government took any steps to examine the vaccine itself, whether instead of containing attenuated bacteria, the vaccine consisted of vitalised bacteria to be powerful enough to cause the disease rather than create anti-bodies of the disease?

DR. P. S. DESHMUKH: In all cases where the expert made investigations, the vaccine also was investigated and tested.

DR. R. B. GOUR: With what result?

DR. P. S. DESHMUKH: There is nothing wrong with the vaccine

श्री नवाब सिंह चौहान : माननीय मंत्री का यह कहना है कि यह वैक्सीन आइजटनगर की बनी हुई थी, लेकिन जो आंध्र प्रदेश में इस्तेमाल की गई वह क्या यह ठीक है कि किसी दूसरी जगह की बनी हुई थ !

DR. P. S. DESHMUKH: It is manufactured at a number of places, but the main place is the I.V.R.I.

बिना टिकट यात्रा

***३५८. श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले दो महीनों में विभिन्न रेल क्षेत्रों में बिना टिकट यात्रा करने पर कितने लोग पकड़े गये और उनसे जुर्माने तथा किराये के रूप में कितना रुपया वसूल किया गया ?

†[TICKETLESS TRAVELLING

*358. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the number of passengers who were detected travelling without ticket during the last two months in the various Railway zones and the amount of money realized from them as penalty and as fare?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : एक बयान सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

बिना टिकट यात्रा करने वालों की संख्या और उनसे वसूल की गई रकम

	लाख रुपये
यात्रियों की तादाद जो बिना टिकट या गैर वाजिब टिकट पर सफर करते हुये पकड़े गये ।	१३ २३
कितनी रकम वसूल हुई—	
किराया . .	२२·६२
अतिरिक्त प्रभार (Excess charges) .	४·२९

नोट : यह सूचना १९५७ के अगस्त और सितम्बर महीनों की है । बाद के महीनों की पूरी सूचना अभी नहीं मिली है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Number of ticketless travellers and money realised from them

	Rs.
No. of passengers detected travelling without tickets or with improper tickets.	13.23 lakhs
Amount realised—	
Fares . . .	22·62 lakhs
Excess charges .	4·29 lakhs

NOTE: The information is in regard to the months of August and September, 1957 as complete information for subsequent months is not yet available.]

†[ ] English translation

श्री नवाब सिंह चौहान : इस बयान में दो महीनों के आकड़ दिये गये है और इसमें १३·२३ लाख ऐसे लोग बतलाये गये है जो बगैर टिकट चले । तो क्या मंत्री महोदय यह बतालने की कृपा करेगे कि यह बिला टिकट चलना पहले कुछ महीनों के मुकाबिले में कम हुआ या अधिक हुआ ?

श्री शाहनवाज खां : जून जुलाई जो पहले दो महीने थे उनके मुकाबिले मे बिला टिकट चलना कम हुआ ।

डा० रघुबीर सिंह : गत साल के आंकडें से ये आंकड़े कैसे मिलान करते है ?

श्री शाहनवाज खां : उनमें कुछ तरक्की हुई ।

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know how many of these ticketless travellers were prosecuted and found guilty and sentenced to imprisonment above 15 days?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I do not have any precise information about this.

SHRI N. R. MALKANI: Is the hon Minister aware that the checking of tickets both in the compartments and at the gates is very unsatisfactory?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I shall make a note of that.

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को मालूम है कि और स्थानों के मुकाबिले में अक्सर ऐसे स्थानों में जो कि बड़े बड़े शहरों के नजदीक है या खास तौर से सबबर्न ट्रेन्स में टिकेटलेस ट्रैवलिग अधिक है ? अगर ऐसा है तो इसको रोकने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है ।

श्री शाहनवाज खां : टिकेटलस ट्रैवलिग कई एक स्थान पर है और उसकी कई वजहें भी हैं । उसको रोकने के लिये बहुत से कदम रेलवे मिनिस्ट्री ने उठाये है । थोड़े दिन की बात है जब हमने एक कदम यह उठाया था कि स्पेशल टिकेट चैकिग स्क्वाड बनाये गये जो कि रेलवे बोर्ड के कंट्रोल में थे और उन्होंने दूसरे जोन्स में जा करके चेकिग की । इसके अलावा रेलवे मैजिस्ट्रेटस की मदद से भी हम इस चीज़ को रोकने की कोशिश कर रहे है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरा सवाल यह नही था बल्कि मेरा सवाल यह था, कि बड़े बड़े शहरों के पास, जैसे दिल्ली से गाजियाबाद या शाहदरा तक या ऐसी ही जगहों पर लोग ज्यादा बगैर टिकट चलते है और अक्सर उनकी जानकारी में होते है जो रेलवे स्टाफ चेकिग करने वाला हुआ करता है ।

श्री शाहनवाज खां : जैसा मै ने पहले अर्ज किया फिर मै उसे दोहराता हूं । हम जानते है कि बड़े बडे शहरों के पास भी टिकेटलैस ट्रैवलिग होती है । दिल्ली के इलाके मे जहां ब्राच लाइन है वहां भी टिकेटलेस ट्रेवलिग होती है और चेकिंग करने के लिये रास्ते मे गाड़ियां कई दफा रोकी जाती है । रेलवे मैजिस्ट्रेट वहां हाजिर होते है, उनके सामने लोगों को पकड़ा जाता है और मौके पर ट्राइ किया जाता है और काफी जुर्माने भी किये जाते है ।

SHRI V. K. DHAGE: What is the percentage of ticketless travellers to that of the travellers with tickets?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: From recent checks that were held through the squads organised by the Railway Board, we have come to the conclusion that approximately there is 4 per cent. ticketless travellers.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Is it a fact that in many places students indulge in this ticketless travelling as a fun?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I think rather liberally.

DR. RAGHUBIR SINH: Is the hon. Minister aware of the ticketless travelling that goes on every day from Delhi Main Station to Shahdara? It takes place everyday in the afternoon and that too by college students?

MR. CHAIRMAN: You are keeping a watch on that.

DR. RAGHUBIR SINH: As the Ministers are.

SHRI LALCHAND HIRACHAND DOSHI: Will he give a break-up of the ticketless travellers or those with improper tickets?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I don't have the break-up.

TELLICHERRY-MYSORE RAILWAY LINE

*359. SHRI A. V. KUNHAMBU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the survey of the Tellicherry-Mysore Railway line has been completed; and

(b) if so, when the construction of the line will commence?

THE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) No Sir.

(b) Does not arise.

DR. R. B. GOUR: Was not a survey undertaken of this Tellicherry-Mysore Railway?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Yes, a traffic-*cum*-preliminary engineering survey has been carried out and it is expected to be received in the Board's office by March 1958.

पी० एस० सरयू व मुजफ्फरपुर

***३६०. श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तरपूर्वी रेलवे द्वारा बिहार में गंगा में चलाये जाने वाले पी० एस० सरयू व मुजफ्फरपुर की पिछली अक्तूबर मास में गंगा के बीच फंस जाने की कितनी घटनायें हुई और इनका क्या कारण था;

(ख) कितने यात्रियों को इन घटनाओं के कारण असुविधा उठानी पडी; और

(ग) ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये सरकार ने क्या प्रयत्न किये है ?

†[P. S. SARAYU AND MUZAFFARPUR

*360. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) how many times P. S. Sarayu and Muzaffarpur, run by the North-Eastern Railway in the Ganges in Bihar, stuck in the river during October last and what was the reason therefor;

(b) how many passengers were put to inconvenience on account of these incidents; and

(c) what steps Government have taken to prevent such incidents?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (ग) जो सूचना मांगी गयी है, उसका बयान सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

पी० एस० सरयू व मुजफ्फरपुर के गंगा में फंस जाने की घटनाओं के सम्बन्ध में विवरण

(क) अक्टूबर, १९५७ में पहलेजा घाट—दीघा घाट और महेन्द्र घाट के बीच गंगा में पी० एस० सरयू का पेंदा दो बार और पी० एस० मुजफ्फरपुर का पेंदा एक बार जमीन से लग गया । स्टीमरों के पेंदे जमीन से छू जाने की ये घटनायें इस कारण हुई कि इस साल नदी की जैसी हालत रही है वैसी पहले कभी नहीं रही । स्टीमरों के आने-जाने के लिये सिर्फ एक ही रास्ता था और वह भी बेहद तंग और टेढ़ा-मेढा । उसमें पानी की गहराई सिर्फ ५'–६" थी । लगातार बालू

†[ ] English translation